प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)

समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रशिक्षण "जैविक फसल एवं सब्जी उत्पादन तकनीक" का आयोजन

पंतनगर। 10 जुलाई 2023। विश्वविद्यालय संस्थान द्वारा 'जैविक फसल एवं सब्जी उत्पादन तकनीक' प्रशिक्षण का आयोजन जुलाई 05–08, 2023 तक किया गया। समेटी समन्वयक डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) ने प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षणों की रूप–रेखा इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के जैविक कृषि से सम्बन्धित वैज्ञानिकों द्वारा जैविक खेती–परिचय, सिद्धान्त एवं उत्तराखण्ड में जैविक कृषि की सम्भावनाएं, सब्जियों की जैविक विधि से खेती विशेषतः पॉलीहाउस में टमाटर, शिमला मिर्च एवं खीरा उत्पादन तकनीक, जैविक फसल उत्पादन तकनीक, पॉलीहाउस की संरचना एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीक का प्रयोग, विभिन्न जैविक उर्वरक एवं उनकी प्रयोग विधियाँ, जैविक सब्जी उत्पादन हेतु न्यूनतम साझा कार्यक्रम, जैविक फसलों के प्रमाणीकरण की विधियाँ, फसल एवं सब्जियों में जैविक रोग तथा कीट प्रबन्धन, मोटे अनाजों की वैज्ञानिक खेती एवं जैविक खेती सम्बन्धी सरकार के योजनाओं इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रदर्शन एवं प्रयोगात्मक शिक्षण हेतु प्रतिभागियों का भ्रमण डा. नारमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र के जैविक खेती प्रक्षेत्र में कराया गया जहां उन्हें जैविक खेती सम्बन्धी नवीनतम विकसित तकनीक और अन्य विधायें सिखाई गयी। प्रयोगात्मक कार्य डा. धनंजय कुमार सिंह, प्राध्यापक एवं डा. संतोष कुमार यादव, सह प्राध्यापक के तत्वाधान में सम्पादित कराया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में सीखे गये विषयों को अपनाने एवं अन्य कृषकों को भी जानकारी साझा करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों से कहा कि वे जैविक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बाजार में लाकर अपने आय में कई गुना वृद्धि कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने संदेश में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु बधाई दी और उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण पर्वतीय क्षेत्रों के कृषकों हेतु कारगर साबित होगा और आयोजकों को इसके लिए धन्यवाद दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–चमोली, पौड़ी, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, नैनीताल एवं ऊधम सिंह नगर के प्रसार कार्यकर्ता एवं कृषकों द्वारा भाग लिया गया।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करते निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल एवं अन्य।

प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

निदेशक संचार